

DPN 5869

Title : हारती धारणी HĀRATĪ DHĀRANĪ

Run. No. 6560

Cat. No.

Micro. No.

Subject धा(णी) धारणी

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 21 x 7.8

Folios 6
(missing 1-5) Lines (in a page)

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

६२ टिप्पणी A note

ॐ नमो भगवते, गुरुदेव्या देवताये ॥ वाङ्मय क्षेत्रे उत्पन्न महासिद्ध मन्त्रे,
जोति (ति) ह्य महा सिद्ध गैल्ला देव समन्वयमभिषेक ...

या विजया अजिता अपराजिता ॥ आदित्यसामां गत्र वृद्धरुह्य विगुह्य मनिवत्र
 नाहं के दुजन्म सर्वयहन कय यकना कस रुग पग पि भाव जकि न्या इस्मा पूतन
 कट्यु रसवी पडवा शु प्रका विरु मरु धव मन लुमात्र गदप गि महा काल
 नृ न्यय मव नृ ल क वत्र अग्नि वायु ना कसा धिप ली मान रुगा धिप गि सर्वत्र
 वाहनी आकर्षय २हन २मथ २पमथ २उअ २आ विष २आ वषय २वज मधु ल
 म १ध्व २म २जामय २मई २पमईय २धन २विधन २जल्यय २सर्वार्थ साधय २

जाटनी हं आ १हन मथ रीज सुटय सर्व इष्टान् हं रुद्र रु २चिह् जो हं जी महाती मर
 यव नृप रुल २क २रु २परुव २सर्व विप्र विनायकाना च मानय २ख २व्याहि २
 दन २विद्व २छि च पवम कान् रिद २पवम कान् धात्रय २सर्व म कान् रुव २
 सीरुव २ना मय २सर्व इष्टय लु म लु न कान् नट य २य वा न्य मधु य मिता हन
 २काला कलि विगुह काल २ग्रह २पव विद्या सीरु कल कबी रुव २स रुव २उं
 जी जी जी १कव २कट २सर्व देवानां हृदय वन्ध २वाधय २लघु २मीर्ष मवस

15
10
0
यविमल आकर्षय २ आकटय २ रुच २ समुच २ रुषित उऊ महामु डा किन रुय २ सि
ह २ बाधनि २ मधनी २ सी मधनि २ वि मधनि २ रुच २ मम सर्वपाप सर्वतथ
गतक न उऊ समय निष्ठ पुरंदु मपन्य विन मनुपाप सर्व किलिष हन मति १०
विश्व मधय विमल विक सि गप मक व वचिरु उऊ व घाव मिताप विपूवली
सर्वतथा ग माहृष विग स्वाहा ॥ अय दद स्वाहा ॥ पून दद स्वाहा ॥ पून विला कि न

5
0
स्वाहा ॥ म हा रु द ॥ उ स्वाहा ॥ य म द ॥ उ स्वाहा ॥ य म द द स्वाहा ॥ सी रु व ली स्वाहा
म ह व ली स्वाहा ॥ सी ध व ली स्वाहा ॥ प्र जि र्म व क ली स्वाहा ॥ उ जा व ली स्वाहा ॥ ग जा व
ली स्वाहा ॥ रु य व ली स्वाहा ॥ रु द ॥ था ग न मू डा धिष्ठा ना धिष्ठि न स्वाहा ॥ ॥

5

0

5

10

15

20

99